VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
03 SEP 2023
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2089)

Name of Candidate	Shivam Agarwal		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	1082039
Center	Mukherjee Nagar	Date	03-09-2023

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **HINDI & ENGLISH.**
   इसमें बीस प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?	
Recommended	Strongly Recommended

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

For one-to-one mentoring session on this copy, call us at 7042691891 or send an email to appointment@visionias.in

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. बौद्ध आस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण हाथियों को बौद्ध मूर्तिकल में भी व्यापक रूप से दर्शाया गया है। चर्चा कीजिए।

With the elephant being a vital part of the Buddhist faith, it was widely represented in its sculptures as well. Discuss. (Answer in 150 words) 10

बौद्ध मूर्तिकला 6 वीं शताब्दी ईसा पूर्व में मुख्यतः उत्तर भारत में तेजी से लोकप्रिय हुई जिसमें मूर्तिकला में विभिन्न पशु-पक्षियों जैसे - वृषभ (बैल), सांड, हाथियों आदि का अंकन किया गया।

हाथियों को बौद्ध मूर्तिकला में व्यापक रूप से दर्शाया गया है

① हाथी बौद्ध मूर्तिकला में बौद्ध आस्था के प्रतीक के रूप में दर्शाए गए है।

② सारनाथ स्थित अशोक स्तंभ में भी हाथी का चित्रण किया गया है जो आत्मा की शुद्धता तथा आत्मदीपो भव के विचार को प्रदर्शित करता है।

③ हाथियों का चित्रण बौद्ध मूर्तिकला में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पवित्रता, शक्ति तथा अनियंत्रित भावनाओं को प्रदर्शित करने के लिए किया गया है।

④ बुद्ध के तीन रत्नों (त्रिरत्नों) में बुद्ध (शिक्षक), संघ तथा धम्म (धर्म) की विशेषताओं को उल्लेखित करने के लिए हाथियों की मूर्तियों को आधार बनाया गया है।

⑤ हाथी को भारतीय इतिहास में प्रमुख देवताओं के वाहन के मिथक के रूप में भी दर्शाया जाता है।

इस प्रकार बौद्ध आस्थाओं एवं भारतीय संस्कृति का आध्यात्मिक स्वरूप हमें बौद्ध मूर्तिकला में हाथियों के अंकन में दिखाई देता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. भारत के स्वतंत्रता संग्राम को समाज के विभिन्न वर्गों के प्रयासों और बलिदानों के माध्यम से जीता गया था। इस संदर्भ में, राष्ट्रीय स्वतंत्रता संघर्ष में आदिवासी महिलाओं द्वारा किए गए योगदानों की विवेचना कीजिए।

India's war of independence was won by the efforts and sacrifices of different sections of the society. In this context, discuss the contributions made by tribal women in the national freedom struggle. (Answer in 150 words) 10

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सामाजिक वर्गों जैसे - आदिवासियों, किसानों, मजदूरों के सामिलित प्रयासों से संपन्न हुआ था। आदिवासी महिलाओं ने भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राष्ट्रीय स्वतंत्रता संघर्ष में आदिवासी महिलाओं द्वारा किए गए योगदान

1) रानी गैंडिनल्यू - यह मणीपुर राज्य में रहने वाली नागा जनजाति से संबंधित महिला थीं जिन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930) के दौरान मात्र 13 वर्ष की उम्र में ब्रिटिश सरकार के खिलाफ झंडा उठा लिया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② मातंगिनी हजारा - यह भी आदिवासी जनजाति से संबंधित महिला थीं जिन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन (1942) में गांधी के साथ मिलकर स्वतंत्रता आंदोलन में मुख्य भूमिका निभाई।

③ अन्य महिलाओं जैसे- कमलादेवी चट्टोपाध्याय, उषा मेहता, बीना दास, कल्पना दत्त, सुनीति चौधरी आदि ने भी भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान महत्त्वपूर्ण योगदान दिया था।

आदिवासी जनजातियों विशेषकर महिलाओं के प्रयासों से स्वतंत्रता संघर्ष का दायरा व्यापक हुआ और सभी वर्गों की भागीदारी से अन्ततः 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान रवींद्रनाथ टैगोर के राष्ट्रवाद संबंधी दृष्टिकोण में अंतर्निहित प्रमुख सिद्धांतों को वर्णित कीजिए।

Bring out the key principles underlying Rabindranath Tagore's vision of nationalism during the Indian freedom struggle. (Answer in 150 words) 10

रवींद्रनाथ टैगोर भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का नेतृत्व करने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति थे जिन्होंने अपनी राष्ट्रवादी धारणाओं से भारतीय जनता को नवजागरण से जोड़ा।

रवींद्रनाथ टैगोर के राष्ट्रवाद संबंधी दृष्टिकोण में अंतर्निहित सिद्धांत

① रवींद्रनाथ टैगोर ने राष्ट्रवाद के स्थान पर अंतर्राष्ट्रीयतावाद का संदेश दिया जिससे वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को प्रोत्साहन मिला।

② टैगोर ने मानववादी दर्शन पर बल दिया। इस सिद्धांत ने मानव को केंद्रीय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

महत्व प्रदान किया तथा मानव शक्तियों में विश्वास को उजागर किया।

3) टैगोर ने स्वदेशी आंदोलन (1905) के दौरान विदेशी कपड़ों की होली जलाये जाने के विरोध में गांधी की आलोचना की। उनका तर्क था कि हमें संसाधनों को बर्बाद नहीं करना चाहिए।

4) उन्होंने अपने सिद्धांतों में प्रकृतिवाद को विशेष महत्व दिया और शांतिनिकेतन जैसे ओपन स्कूल की नींव रखी।

भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान टैगोर के इन सिद्धांतों से भारतीयों में राष्ट्रवादी चेतना का संचार हुआ जिससे भारतीय स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त हुआ।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. बाह्य दबाव और औपनिवेशिक विरोध के साथ-साथ घरेलू दबाव ने यूरोपीय शक्तियों को उपनिवेशों पर अपना दावा छोड़ने के लिए विवश किया। सविस्तार वर्णन कीजिए।

The combination of internal pulls coupled with external pressure as well as colonial resistance prompted the European powers to relinquish their claim over colonies. Elaborate. (Answer in 150 words) 10

जब कोई विकसित देश किसी अल्पविकसित एवं विकासशील देश पर सामाजिक - सांस्कृतिक एवं आर्थिक रूप से नियंत्रण स्थापित कर लेता है, तो करने वाला देश औपनिवेशिक शक्ति तथा वह देश उसका उपनिवेश कहलाता है।

यूरोपीय शक्तियों को उपनिवेशों पर अपना दावा छोड़ने के कारण

बाह्य दबाव -

1) जैसे- विभिन्न अंतरराष्ट्रीय घटनाएँ

अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम (1776), फ्रांसीसी क्रांति (1789)

रूसी साम्यवादी क्रांति का प्रभाव (1917)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2) औपनिवेशिक विरोध

- उपनिवेशों में हो रहे विभिन्न आदिवासी, किसान व श्रमिक आंदोलन जैसे – 1857 का विद्रोह
- अन्य उपनिवेशों का यूरोपीय देशों के हाथ से निकलना
  जैसे- अमेरिकी उपनिवेश 1776 में स्वतंत्र
- असहयोग (1920) सविनय अवज्ञा (1930) व भारत छोड़ो आंदोलन (1942) का प्रभाव

3) घरेलू दबाव

- औपनिवेशिक स्वराज की मांग
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (1885) की स्थापना व उससे संबंधित संस्थाओं का दबाव
- जेल भरो आंदोलन, बहिष्कार, धरना जैसे कार्यक्रम

इस प्रकार यूरोपीय शक्तियों को कमजोर करने में घरेलू, बाह्य दबाव के साथ-साथ संघर्ष- विराम - संघर्ष की रणनीति की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. भारत में जलीय कृषि को बढ़ावा देने वाले कारकों की पहचान करते हुए, इससे संबंधित समस्याओं पर चर्चा कीजिए।

Identifying the growth drivers of aquaculture in India, discuss the associated issues. (Answer in 150 words) 10

जलीय कृषि का तात्पर्य है- जल में पेड़-पौधों, मछलियों, केकड़ों, मत्स्य पालन का कार्य एकीकृत रूप से करना। वर्तमान में भारत जलीय कृषि से संबंधित चौथा बड़ा देश है।

भारत में जलीय कृषि को बढ़ावा देने वाले कारक

1) भारत की 7,516 किमी. लंबी तटरेखा जलीय कृषि के लिए अनुकूल परिस्थिति प्रदान करती है।

2) भारत की बढ़ती जनसंख्या (UN प्रोस्पेक्ट्स रिपोर्ट- 1.4 बिलियन आबादी के साथ सर्वाधिक जनसंख्या)

3) प्रोटीन की मांग में वृद्धि तथा खाद्य सुरक्षा (SDG-2 → Zero Hunger) को सुनिश्चित करने के लिए

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4) भारत की उष्ण कटिबंधीय मानसूनी जलवायु भी जलीय कृषि के लिए अनुकूल है।

भारत में जलीय कृषि से संबंधित समस्याएँ

1) आधारभूत संरचना का अभाव जिससे जलीय कृषि करना चुनौतीपूर्ण
2) किसानों में कम जागरूकता
3) भारत का तटीय क्षेत्र चक्रवात, तूफानों से प्रभावित रहता है।
4) ENSO चक्र नियमित हो जाने से अलनीनो के प्रभाव के कारण मछलियों की मृत्यु की समस्या
5) जलवायु परिवर्तन व जल प्रदूषण, सुपोषण, समुद्री डैड जोन्स जैसी समस्याएँ

जलीय कृषि को KCC कार्ड से जोड़ना, राष्ट्रीय मात्स्यिकी नीति, 2017 का क्रियान्वयन तथा नीली अर्थव्यवस्था पर बल देकर भारत जलीय कृषि समृद्ध देश बन सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. हालांकि महत्वपूर्ण खनिज स्वच्छ ऊर्जा ट्रांजिशन को प्रेरित कर रहे हैं, लेकिन ये ऊर्जा सुरक्षा के संबंध में नई चुनौतियां भी उत्पन्न कर रहे हैं। चर्चा कीजिए।

While critical minerals are driving the clean energy transition, they bring new vulnerabilities with regard to energy security. Discuss. (Answer in 150 words) 10

भारत ने वर्ष 2070 तक नेट कार्बन न्यूट्रैलिटी का लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत तथा वैश्विक स्तर पर खनिज संसाधन (जैसे - यूरेनियम, प्लूटोनियम, थोरियम) आदि को स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करने हेतु प्रयोग में लाया जा रहा है।

महत्वपूर्ण खनिज स्वच्छ ऊर्जा ट्रांजिशन को कैसे प्रेरित कर रहे हैं?

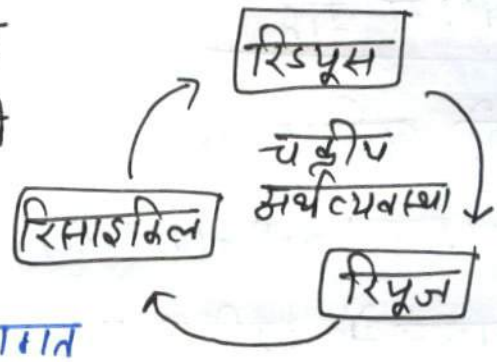

1) इससे ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों जैसे कोयला, प्राकृतिक गैस आदि पर निर्भरता कम होगी।

2) यूरेनियम, थोरियम आदि से परमाणु ऊर्जा की प्राप्ति जिससे स्वच्छ ऊर्जा की प्राप्ति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3) खनिज संसाधनों के दोहन से जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग आदि को कम करने में मदद मिलेगी।

ये खनिज मर्जा सुरक्षा के संबंध में नई चुनौतियाँ कैसे उत्पन्न कर रहे हैं-

1) इनके निष्कर्षण से जैव विविधता का ह्रास तथा वनावरण को काटना जिससे पर्यावरण प्रदूषण में वृद्धि

2) ये खनिज परमाणु व रेडियोएक्टिव प्रदूषण का कारण बन सकते हैं।

3) भारत में खनिज निष्कर्षण सीमित होने के कारण कोयला, गैस जैसे संसाधनों पर निर्भरता बनी रहेगी।

राष्ट्रीय खनिज नीति, 2019 को SDG-13 (Climate Action) के साथ जोड़कर क्रियान्वित करने की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. प्लेट विवर्तनिकी का सिद्धांत हिमालय और एंडीज पर्वतों के निर्माण में विद्यमान अंतरों को समझाने में किस प्रकार सहायता करता है?

How does the theory of plate tectonics help in explaining the differences in the formation of the Himalayas and Andes mountains? (Answer in 150 words) 10

पृथ्वी की सतह पर पर्वतों, पठारों, मैदानों आदि के निर्माण को प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत द्वारा समझा जा सकता है। प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत पृथ्वी की सतह पर विद्यमान प्लेटों की गति से संबंधित है।

प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत द्वारा पर्वतों के निर्माण की व्याख्या

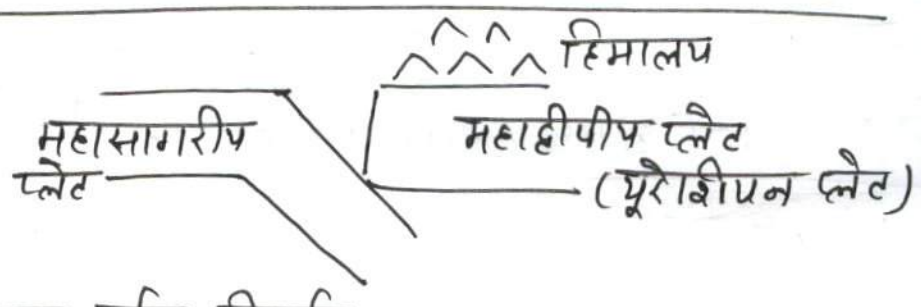

हिमालय पर्वत निर्माण -

1) महासागरीय प्लेट का घनत्व अधिक होने के कारण उसका यूरेशियन प्लेट के नीचे क्षेपण हुआ। इस प्रकार अभिसारी प्लेट

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सीमांत की गतिविधि के दौरान यह घटना हुई।

2) इससे अवसादों के संकुचन व दबाव के कारण हिमालय पर्वत की उत्पत्ति हुई।

एंडीज पर्वत निर्माण

1) प्रशांत महासागरीय प्लेट तथा दक्षिण अमेरिकी महाद्वीपीय प्लेट के बीच अभिसारी प्लेट सीमांत की घटना हुई।

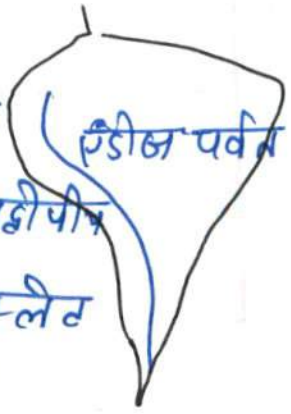

2) महासागरीय प्लेट का दक्षिण अमेरिकी प्लेट के नीचे क्षेपण (subduction) होने से एंडीज पर्वत की उत्पत्ति हुई।

इस प्रकार प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत द्वारा पर्वत निर्माण की प्रक्रिया की सटीक व्याख्या करने में मदद मिलती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. एक जल-सुरक्षित भविष्य हेतु भारत में भूजल की स्थिति से संबंधित प्रमुख समस्याओं के लिए व्यापक समाधान की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।
Critical issues surrounding the condition of groundwater in India need overarching solutions for a water-secure future. Discuss. (Answer in 150 words) 10

नीति आयोग के समग्र जल प्रबंधन सूचकांक 2021 के अनुसार- भारत में भूजल का स्तर प्रत्येक वर्ष 0.3 सेमी० की दर से नीचे जा रहा है जिससे वर्ष 2050 तक देश की 40% जनसंख्या पीने के पानी से वंचित हो जायेगी।

भारत में भूजल से संबंधित समस्याएँ

1) मोनो कल्चर तथा अवैज्ञानिक कृषि पद्धतियाँ
(भारत में कृषि में 89% भौम जल का प्रयोग होता है)

2) अति दोहन की समस्या

3) भूजल संदूषण की समस्या जैसे- आर्सेनिक, नाइट्रेट आदि

भूजल अति दोहन

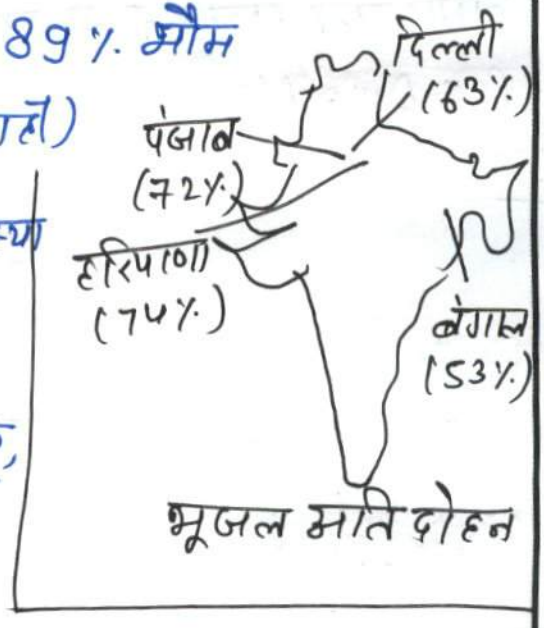

4) जल प्रदूषण, सुपोषण तथा समुद्री डेड ज़ोन्स की बढ़ती समस्या

चित्र - भूजल संदूषण

5) जलवायु परिवर्तन के कारण zero day की स्थिति (जैसे बेंगलुरु में)

समाधान -

① राष्ट्रीय जल नीति, 2012 के तहत जल प्रदूषण को दंडनीय अपराध बनाना

② मोनो कल्चर को हतोत्साहित करना

③ कृषि पर सब्सिडी को तार्किक बनाना

④ वर्षा जल संचयन के प्रयास करना

⑤ Per Drop More Crop, PM कृषि सिंचाई योजना जैसी पहलें।

सरकार को भूजल स्थिति में सुधार के लिए क्षेत्रवार कृषि को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

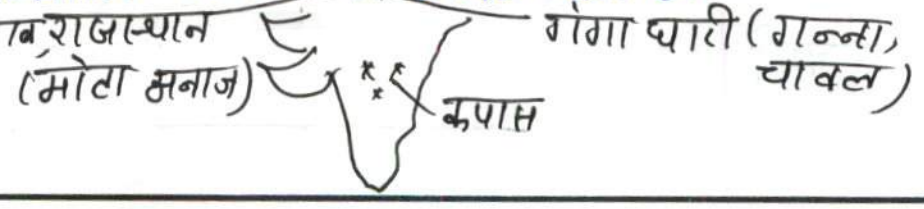

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. 2050 तक भारत की आबादी के एक बड़े हिस्से के शहरों में रहने की उम्मीद है। इस संदर्भ में, देश में समावेशी, लचीले और संधारणीय शहर के निर्माण में शहरी हरित स्थानों की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

A large proportion of India's population is expected to live in cities by 2050. In this context, discuss the need for urban green spaces in creating inclusive, resilient, and sustainable cities in the country. (Answer in 150 words) 10

विश्व बैंक के अनुसार - ग्रामीण क्षेत्र से जनसंख्या के शहरी क्षेत्रों में प्रवासन की घटना को शहरीकरण कहते हैं। जनगणना 2011 के अनुसार भारत में शहरीकरण की दर 31.1% है तथा 2050 तक 50% आबादी के शहरों में बसने का अनुमान है।

2050 तक आबादी के शहरों में बसने की उम्मीद क्यों?

① शहरों में रोजगार, शिक्षा व विकास के अवसर (जैसे - मुंबई - भारत की मनोरंजन राजधानी)

② 12वीं पंचवर्षीय योजना - शहर आर्थिक विकास के इंजन (Pull factor)

समावेशी, लचीले व संधारणीय शहर निर्माण की में शहरी हरित स्थानों की आवश्यकता -

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(1) शहरों में बुनियादी ढाँचे की कमी का होना (भारत बुनियादी ढाँचे के निर्माण में प्रतिवर्ष $ 17 खर्च करता है जबकि $100 की आवश्यकता है- विश्व बैंक)

(2) अतिनगरीकरण की बढ़ती समस्या

(3) Urban Heat Island के प्रभाव को कम करके संधारणीय शहरों के विकास हेतु

(4) सतत व समावेशी विकास (SDG-11 - Sustained cities & communities) को सुनिश्चित करने हेतु।

सुझाव → नीति आयोग / वाहन साझाकरण प्रणाली (ओला, उबर) आदि का विकास

राष्ट्रीय मेट्रो रेल नीति को क्रियान्वित करना

सरकार को स्मार्ट सिटी योजना, 2015 के साथ-साथ स्मार्ट विलेज प्रोग्रामों को भी लागू करने की आवश्यकता है ताकि प्रवासन की दर को कम किया जा सके।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. भारत का पंथनिरपेक्ष दृष्टिकोण 'सैद्धांतिक दूरी' बनाए हुआ है न कि 'समान-दूरी'। टिप्पणी कीजिए।
India's secular approach has remained that of a 'principled distance' and not of 'equi-distance'. Comment. (Answer in 150 words) 10

भारतीय पंथनिरपेक्षता मॉडल, पाश्चिमी मॉडल की तुलना में अधिक लचीला है। जिसके अनुसार राज्य का कोई धर्म नहीं होगा। हालांकि भारत में पाश्चिमी देशों के समान धर्म व राज्य के बीच पूर्ण अलगाव को स्वीकार नहीं किया गया है।

भारत का पंथनिरपेक्ष दृष्टिकोण सैद्धांतिक दूरी बनाए हुए है न कि समान-दूरी

1) भारत में धर्म से राज्य की सैद्धांतिक दूरी सुनिश्चित की गई है।
जैसे- राज्य धार्मिक कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

2) राज्य द्वारा किसी धर्म विशेष के उत्थान के लिए कर लगाने की मनाही

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारतीय संविधान में सुनिश्चित की गई है।

① हालांकि लोक व्यवस्था, सदाचार व नैतिकता (LSO) आदि के आधार पर राज्य धर्म पर युक्तियुक्त निर्बंधन आरोपित कर सकता है।

समान दूरी भी दिखती है।

① समाज के सभी धर्मों के व्यक्तियों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनु० 25-28)

② राज्य धर्म से पूर्ण अलगाव नहीं रखता तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में सहायता प्रदान कर सकता है।
जैसे- मुस्लिम लोगों को हज कोटा देना

निष्कर्षतः भारतीय पंथनिरपेक्ष दृष्टिकोण सभी धर्मों की तात्विक एकता व सामासिक संस्कृति पर बल देता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. भारत में मंदिर स्थापत्य कला का एक प्रमुख चरण 11वीं से 14वीं शताब्दी ई. के होयसल राजवंश से जुड़ा हुआ है। उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

A major phase in temple architecture in India is associated with the Hoysala dynasty from the 11th to 14th centuries A.D. Illustrate with examples. (Answer in 250 words) 15

भारत में 11वीं से 14वीं शताब्दी में होयसल राजवंश द्वारा भारत में बेसर शैली के मंदिरों का निर्माण कराया गया जिससे मंदिर स्थापत्य कला का स्वर्णयुग कहा जाता है।

होयसल राजवंश के मंदिरों की प्रमुख विशेषताएँ

1) गोदावरी तथा कृष्णा नदियों के बीच के क्षेत्र में मंदिरों का निर्माण

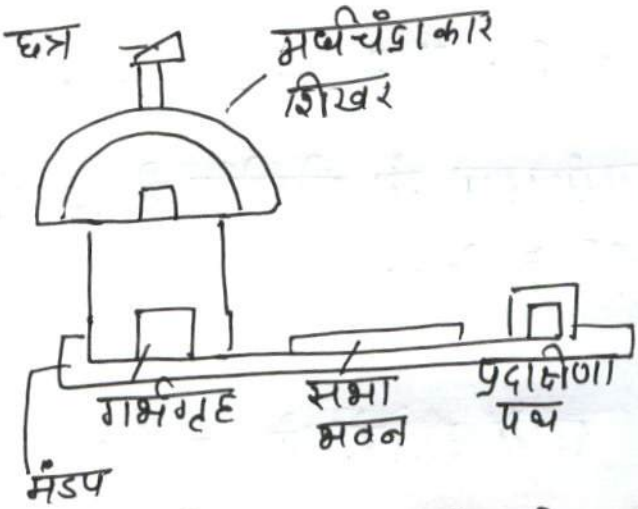

चित्र- होयसल राजवंश के मंदिरों की स्थापत्य कला

2) मंदिरों में अर्धचंद्राकार शिखर की ~~स्थापना~~ संरचना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैसे- कर्नाटक का हैलेबिडु मंदिर

3) आधार योजना सामान्य अर्थात कभी चौकोर और कभी अष्टकोणीय आधार योजना

जैसे- चन्नाकेशवर मंदिर (कर्नाटक)

4) द्रविड़ शैली व नागर शैलियों के सामंजस्य से निर्मित वेसर शैली के मंदिरों की स्थापना

5) इसमें मंदिरों के मुख्य भाग में गर्भगृह की स्थापना तथा मुख्य देवता की मूर्ति स्थापित की जाती है।

6) मण्डप, सभा भवन तथा प्रदक्षिणा पथ बनाया जाता है।

जैसे- लेपाक्षी मंदिर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उदा०- वीरुपाक्ष का मंदिर

कुल मिलाकर मंदिर स्थापत्य कला में होयसलराजवंश ने "दैत्यों के समान कल्पना करके जौहरियों के समान निर्माण कार्य" को मानो बदला इसलिए उसे दक्षिण भारत में मंदिर स्थापत्य कला का स्वर्णयुग माना जाता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. ग्रीक इतिहासकारों के विवरण प्राचीन भारत की सामाजिक और आर्थिक स्थितियों के संबंध में मूल्यवान जानकारी प्रदान करते हैं। चर्चा कीजिए।

Accounts of Greek historians provide valuable insights into the social and economic conditions in ancient India. Discuss. (Answer in 250 words) 15

ग्रीक इतिहासकारों ने प्राचीन भारत का भ्रमण किया तथा भारत के विषय में विभिन्न सामाजिक, आर्थिक स्थितियों की जानकारी अपने इतिहास ग्रंथों के माध्यम से प्रदान की। ये इतिहास जानकारी से संबंधित साहित्यिक स्रोत थे।

ग्रीक इतिहासकारों के विवरण से -

प्राचीन भारत की सामाजिक स्थिति की जानकारी

1) प्राचीन भारतीय समाज 4 वर्णों में विभाजित था - ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य व शूद्र

2) ब्राह्मणों को समाज में उच्च स्थान प्राप्त था तथा ब्राह्मणों के बाद 'वेल्लार वर्ग' का स्थान माना था।

3) महिलाओं को अपनी इच्छानुसार विवाह

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

करने की अनुमति थी किन्तु विधवाओं की स्थिति समाज में शोचनीय थी।

4) जातिगत आधार पर समाज में विभाजन विद्यमान था किन्तु फिर भी सामाजिक सौहार्द बना हुआ था।

प्राचीन भारत की आर्थिक स्थिति की जानकारी

1) सर्वप्रथम व्यापार में लूट का माल ही राज्य की आय का प्रमुख स्रोत था।

2) धीरे-धीरे कृषि, पशुपालन आदि ने भी राज्य की आय में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

3) विदेशी व्यापार तथा काली मिर्च, मसालों तथा हाथी दाँत के निर्यात की जानकारी मिलती है।

4) विभिन्न बंदरगाहों जैसे – लोथल आदि

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के माध्यम से विदेशी व्यापार को संचालित किया जाता था।

इस प्रकार ग्रीक इतिहासकार भारत की तत्कालीन राजनीतिक स्थिति ही नहीं अपितु सामाजिक व आर्थिक स्थिति के विषय में भी मूल्यवान जानकारी प्रदान करते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में, विशेष रूप से 20वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध के दौरान प्रवासी भारतीयों द्वारा निभाई गई भूमिका पर चर्चा कीजिए।

Discuss the role played by the Indian diaspora in the freedom struggle of India, especially during the first half of the 20th century. (Answer in 250 words) 15

भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में विभिन्न प्रवासी भारतीयों ने देश-विदेश में भारतीय स्वतंत्रता की आवाज को बुलंद किया जिससे ब्रिटेन पर न केवल आंतरिक बल्कि बाहरी दबाव भी उत्पन्न हुआ।

२० वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध के दौरान प्रवासी भारतीयों द्वारा निभाई गई भूमिका -

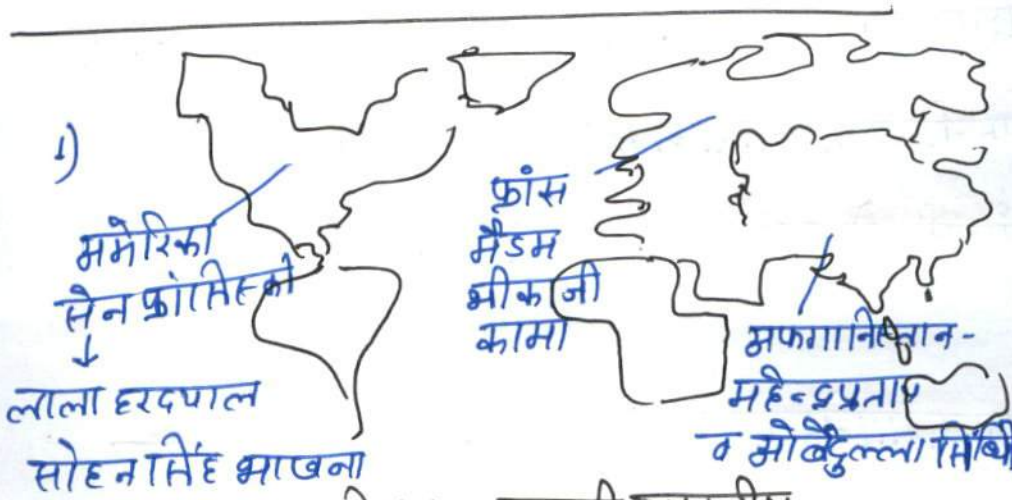

चित्र - प्रवासी भारतीय

1) अमेरिका के सेन फ्रांसिस्को नगर में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लाला हरदयाल, सोहन सिंह भाखना ने गदर आंदोलन किया तथा भारतीय स्वतंत्रता की आवाज को अमेरिका तक पहुँचाया।

② फ्रांस की मैडम भीकाजीकामा ने फ्रांस में अंग्रेजों के खिलाफ क्रांतिकारी गतिविधियों की शुरुआत की। इन्हें क्रांतिकारियों की माता कहा जाता है।

③ अनेक प्रवासी श्रमिकों ने इंडोनेशिया, दक्षिण पूर्व एशिया, त्रिनिदाद, टोबैगो, सूरीनाम, फिजी तथा मॉरीशस में भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष को मुखर रूप से उठाया।

④ अफगानिस्तान में प्रवासी भारतीय राजा महेन्द्रप्रताप तथा मोबैदुल्ला सिंधी ने अस्थायी सरकार का गठन किया।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) सुभाष चन्द्र बोस ने सिंगापुर में आजाद हिन्द फौज की स्थापना की तथा इसके माध्यम से विदेशों में स्वतंत्रता आंदोलन को आगे बढ़ाया।

कुल मिलाकर, 20वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में प्रवासी भारतीयों ने न केवल भारत अपितु विदेशों में भी भारतीय स्वतंत्रता के प्रश्न को उठाकर सर्वप्रमुख प्रश्न बना दिया।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. पर्यावरण आंदोलनों के उद्भव के लिए निहित कारणों और स्वातंत्र्योत्तर भारत में उनके महत्व पर चर्चा कीजिए।

Discuss the reasons behind the emergence of environmental movements and their significance in post-independent India. (Answer in 250 words) 15

भारत में पर्यावरण आंदोलन का उद्भव विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों (NGO) तथा स्वयं सहायता समूह (SHG) के प्रयासों से हुआ। इनका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा को आगे बढ़ाना था।

पर्यावरण आंदोलन के उद्भव के लिए निहित कारण -

1) स्वच्छ पर्यावरण को जीवन के अनिवार्य पहलू के रूप में देखना

2) ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों (जैसे - चीड़ के वृक्षों को कटवाकर चाय की खेती को आगे बढ़ाना) से भारतीयों तथा पर्यावरण को संरक्षित करना

3) भारतीय जनता में पर्यावरण को अपने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

धर्म से जोड़कर देखना।

4) विभिन्न NGO, SHG आदि के प्रयासों के कारण पर्यावरण के प्रति जागरूकता का प्रसार होना।

स्वातंत्र्योत्तर भारत में पर्यावरण आंदोलन का महत्व-

1) स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार (अनु०-21) (M.C. मेहता case) को सुनिश्चित करने में उपयोगी।

2) जल, नदियों के संरक्षण को आगे बढ़ाना जिससे गुणवत्तापूर्ण जीवन (Art 21) सुनिश्चित
जैसे- वंदना शिवा का नर्मदा बचाओ आंदोलन

3) वृक्षों की अंधाधुंध कटाई को रोकना जिससे सतत व समावेशी विकास सुनिश्चित

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैसे- उत्तराखंड में चिपको आंदोलन गौरा देवी, सुंदरलाल बहुगुणा के नेतृत्व में

4) जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना तथा हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा करना (IPCC - 6वीं रिपोर्ट - वैश्विक तापमान पूर्व औद्योगिक स्तर की तुलना में 1.1°C बढ़ चुका है।)

कुल मिलाकर पर्यावरण आंदोलनों ने मानव एवं प्रकृति के बीच पूरक संबंध स्थापित किये जिसमें सतत व समावेशी विकास की अवधारणा को बल मिला।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. भारतीय हिमालयी क्षेत्र (IHR) पर जलवायु परिवर्तन के संभावित प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। इसके शमन के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं?

Analyse the possible impact of climate change on the Indian Himalayan Region (IHR). What steps can be taken to mitigate it? (Answer in 250 words) 15

IPCC की 6वीं संश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार - वर्तमान वैश्विक तापमान पूर्व औद्योगिक स्तर की तुलना में 1.1°C तक बढ़ चुका है जिससे भारतीय हिमालयी क्षेत्र प्रभावित होगा।

भारतीय हिमालयी क्षेत्र पर जलवायु परिवर्तन के संभावित प्रभाव

चित्र - भारतीय हिमालयी क्षेत्र

1) हिमालय के ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना जिससे बारहमासी नदियों जैसे - गंगा, यमुना के अस्तित्व पर संकट

2) हिमालयी ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्री जल स्तर में वृद्धि जिससे द्वीपीय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

देशों के अस्तित्व पर संकट

3) हिमालय में पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने से मीथेन गैस का उत्सर्जन जिससे ग्लोबल वार्मिंग की समस्या

4) ENSO चक्र प्रभावित हो जायेगा तथा ला नीनो की घटनाओं में वृद्धि से भारत में वर्षा, सूखे जैसी चरम मौसमी घटनाएँ

5) हिमालय क्षेत्र में कृत्रिम झीलों का निर्माण जिससे Glacial Lake Outburst Flood जैसी घटनाएँ

6) भूस्खलन, भूकंप जैसी आपदाओं के प्रति संवेदनशीलता।

इनके शमन के लिए कदम-

1) वनावरण तथा नदियों के उद्गम स्थल पर वृक्षारोपण को बढ़ावा देना जिससे मृदा कटाव नियंत्रित

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

२) सरकार को हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र हेतु अनुकूलन एवं शमन कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

३) सुभेद्यता मानचित्र तथा स्थानीय सहयोग को आगे बढ़ाना

४) सामान्य पर्यटन के स्थान पर इको टूरिज्म को प्रोत्साहित करना

५) बड़ी आधारभूत अवसंरचनाओं जैसे- तपोवन हाइड्रो प्रोजेक्ट से पहले पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन (EIA) सुनिश्चित करना।

हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित करके ही SDG-13 (Climate Action) की प्राप्ति की जा सकती है। इसके लिए स्थानीय सहयोग व जागरूकता आवश्यक है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. हालांकि भूमि धंसाव कई कारणों से हो सकता है, फिर भी इसके संभावित प्रभाव का अनुमान लगाना और प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए एक स्थायी योजना को तैयार करना अनिवार्य है। चर्चा कीजिए।

Though land subsidence can happen for a host of reasons, it is imperative to estimate its possible impact and chalk out a sustainable plan to minimise the adverse impact. Discuss. (Answer in 250 words) 15

भूमि धंसाव का अर्थ है कि किसी स्थान विशेष का अधिक गहराई में क्षेपित होना या धंसना जिससे वहाँ आधारभूत सामाजिक एवं आर्थिक ढाँचे को नुकसान पहुँचता है।

जैसे - हाल ही में उत्तराखंड के जोशीमठ में भूमि धंसाव की घटना।

भूमि धंसाव के कारण

प्राकृतिक कारण -

- प्लेट विवर्तनिकी में परिवर्तन
- भूकंप, भूस्खलन आदि घटनाओं के कारण चट्टानी संरचनाओं का कमजोर होना।

चित्र - भूमि धंसाव

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मानव जनित कारण

- निर्माण गतिविधियों को बड़े पैमाने पर करना
  जैसे - जोशीमठ में तपोवन हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट
- पर्यटन गतिविधियाँ बड़े पैमाने पर
- बाँध निर्माण कार्य करना आदि।

प्रभाव

1) आधारभूत अवसंरचना की क्षति
2) जन-धन को नुकसान
3) आबादी का विस्थापन (जैसे - जोशीमठ में आबादी विस्थापित)

स्थायी योजना को तैयार करना अनिवार्य क्यों?

1) भविष्य में होने वाली घटनाओं के शमन व नियंत्रण के लिए
2) प्रतिकूल प्रभाव को कम करना
   जैसे - आधारभूत अवसंरचना का नुकसान

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जन-धन की हानि

3) भूमि धंसाव की घटनाओं की निगरानी व पूर्वानुमान लगाने के लिए

4) Glacial Lake Outburst flood जैसी घटनाओं की बारंबारता व तीव्रता को कम करने के लिए।

निष्कर्षतः इसके लिए सरकार को ज़ोन जैसी तकनीक का सहारा लेकर क्षेत्र आधारित रणनीति बनाना चाहिए।

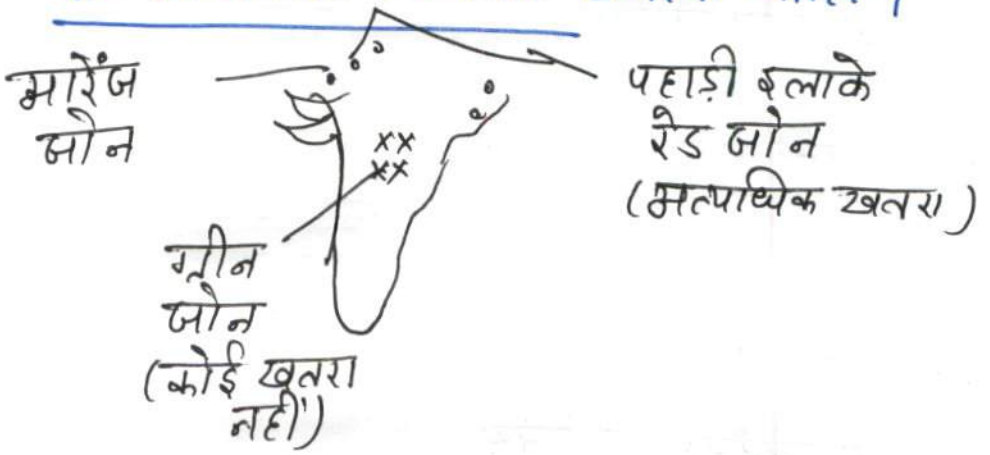

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. आर्थिक विकास के चालक के रूप में आर्कटिक क्षेत्र में स्थित प्राकृतिक संसाधनों की क्षमता पर चर्चा कीजिए। साथ ही, उनके दोहन के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों पर भी विचार कीजिए।

Discuss the potential of natural resources in the Arctic region as drivers of economic development, while also considering the environmental and social impacts of their exploitation. (Answer in 250 words) 15

आर्कटिक क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है जहाँ विभिन्न खनिज संसाधनों जैसे - यूरेनियम, थोरियम आदि की उपस्थिति पाई जाती है जो आर्थिक विकास को गति प्रदान कर सकते हैं।

आर्कटिक क्षेत्र में स्थित प्राकृतिक संसाधनों की क्षमता

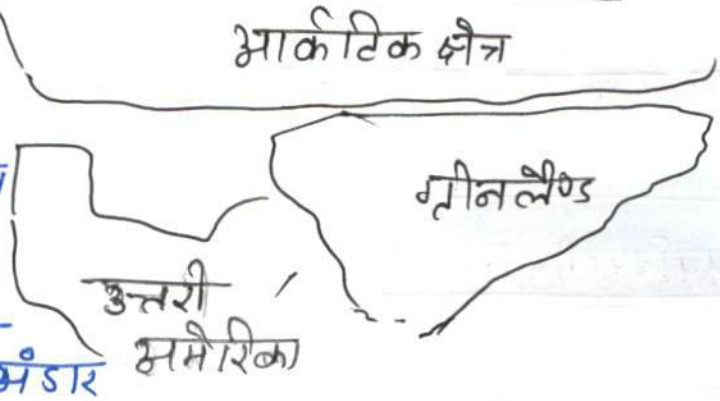

1) आर्कटिक क्षेत्र प्राकृतिक गैस, शैल गैस के भंडार की दृष्टि से उपयोगी है जिससे ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

2) विभिन्न खनिज संसाधनों का भंडार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैसे- जर्मेनियम, सिलिकॉन, कोबॉल्ट आदि जिससे किसी देश में डिजिटल अर्थव्यवस्था व अर्धचालकों का निर्माण सुनिश्चित

3) इस क्षेत्र में भूतापीय ऊर्जा के भी प्रमाण मिले हैं जो ऊर्जा संसाधनों में स्वच्छ ऊर्जा को सुनिश्चित करेगा।

4) कोयला, प्राकृतिक गैस तथा विभिन्न धातुओं व पॉलिमैटेलिक नोड्यूल्स (कोबॉल्ट, सिल्वर) आदि के भंडार

इन प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के पर्यावरणीय व सामाजिक ~~महत्व~~ प्रभाव

पर्यावरणीय प्रभाव

सकारात्मक	नकारात्मक
① स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों तक पहुँच जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम किया जा सकता है।	① दोहन से जैव विविधता का ह्रास
② ग्लोबल वार्मिंग को	② मार्कटिक पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने से मीथेन का उत्सर्जन जिससे

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कम किया जा सकता है।	ग्लोबल वार्मिंग में वृद्धि की संभावना • कृत्रिम झीलों का निर्माण, पर्यावरणीय निम्नीकरण, Glacial Lake Outburst Flood जैसी घटनाएँ

सामाजिक प्रभाव

सकारात्मक	नकारात्मक
1) नये खनिज संसाधनों की प्राप्ति से रोजगार के नये अवसरों का सृजन 2) सामाजिक विकास संभव होगा।	1) विभिन्न जंतुओं जैसे - ध्रुवीय भालुओं, हिम तेंदुआ के विस्थापन से मानव - वन्यजीव संघर्ष में वृद्धि

आर्कटिक क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से पूर्व पर्यावरणीय प्रभाव आँकलन (EIA) व अंतरक्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. आधुनिक भारतीय समाज में परिवार के आकार, संरचना और संबंधों की गतिशीलता को आकार देने में वैश्वीकरण के प्रभाव को उजागर कीजिए।

Bring out the impact of globalisation in shaping the dynamics of family size, structure and relationships in the modern Indian society. (Answer in 250 words) 15

वैश्वीकरण सीमाहीन विश्व की संकल्पना पर आधारित है जिसमें संपूर्ण विश्व में पूंजी, तकनीक व मानव पूंजी का निर्बाध आवागमन सुनिश्चित होता है। यह ग्लोबल विलेज की अवधारणा पर आधारित है।

वैश्वीकरण का प्रभाव

परिवार के आकार, संरचना तथा संबंधों की गतिशीलता में -

सकारात्मक प्रभाव -

1) परिवार के आकार को सीमित करने पर ध्यान जिससे बच्चों को अच्छी शिक्षा व चिकित्सा सुविधाएँ

2) महिलाओं की निर्णयन (decision making)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

में भूमिका में वृद्धि (Dual सिंड्रोम)

घर का काम — बाहर का काम

3) परिवार की संरचना जटिल व संयुक्त परिवार व्यवस्था से एकल परिवार व्यवस्था की ओर स्थानांतरित

4) संबंधों में व्यक्तिवादिता का प्रभाव
जैसे- व्यक्ति का प्रभाव तथा स्थान समाज से अधिक महत्वपूर्ण

5) नये-नये त्यौहारों का प्रचलन
जैसे- मदर्स डे, फादर्स डे, फ्रेंडशिप डे।

नकारात्मक प्रभाव -

1) व्यक्तिवादिता में वृद्धि से मानवीय मूल्यों का ह्रास
जैसे- युवाओं में नशेपान की आदत को बढ़ावा

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

२) पारिवारिक संबंध कमजोर हुए हैं।

जैसे- परिवार के भाईयों में ही विवाद की स्थिति उत्पन्न होना

३) एकल परिवारों के कारण महिलाओं की जिम्मेदारी में वृद्धि

जैसे- बाहर के साथ बच्चों को संभालना (जॉब)

४) परंपरागत मूल्यों का ह्रास

(बच्चे अपने दादा-दादी से नैतिक मूल्यों की शिक्षा नहीं ले पाते)

इस प्रकार सैमुअल कार्लसन ने वैश्वीकरण को दोधारी तलवार कहा है जिससे पारिवारिक संरचना को सकारात्मक व नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. प्रवासन गरिमा, सुरक्षा और बेहतर भविष्य के लिए मानवीय आकांक्षा की अभिव्यक्ति है। इसके आलोक में, भारत में आंतरिक प्रवासन की बहुआयामी प्रकृति का परीक्षण कीजिए और विकास के साथ इसके अंतर्निहित संबंधों पर चर्चा कीजिए।

Migration is an expression of the human aspiration for dignity, safety and a better future. In light of this, examine the multi-dimensional nature of internal migration in India and discuss its inherent relationship with development. (Answer in 250 words) 15

वैश्विक आंतरिक प्रवासन रिपोर्ट के अनुसार - 2022 में 71.1 मिलियन आंतरिक प्रवासी थे जिनकी संख्या में 2021 (59 मिलियन) की तुलना में वृद्धि देखी गई है। प्रवासन अपनी सुरक्षा, आर्थिक विकास आदि के लिए दूसरे स्थान पर बसने की क्रिया है।

भारत में आंतरिक प्रवासन की बहुआयामी प्रकृति

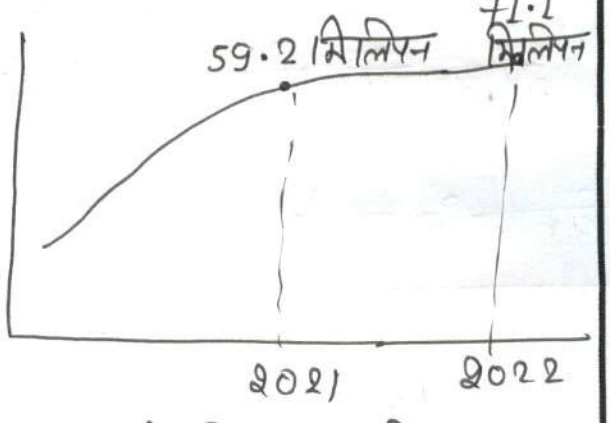

चित्र- वैश्विक आंतरिक प्रवासन रिपोर्ट

1) रोजगार की तलाश में आंतरिक प्रवासन

(जैसे 2020 में लगभग 20 मिलियन लोगों ने रोजगार के लिए प्रवासन किया)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गुणवत्तापूर्ण

2) शिक्षा की प्राप्ति के लिए

(महिलाओं तथा पुरुषों ने समग्र रूप से कुल प्रवासनकालगभग 3% प्रवासन किया)

3) चिकित्सा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण

(ताकि उपचार व्यवस्था कम कीमत पर तथा अच्छी तरह उपलब्ध हो सके)

4) अन्य कारक

जैसे - मुंबई का मनोरंजन राजधानी तथा बेंगलुरु में सिलिकॉन वैली की स्थापना)

विकास के साथ प्रवासन के अंतर्निहित संबंध

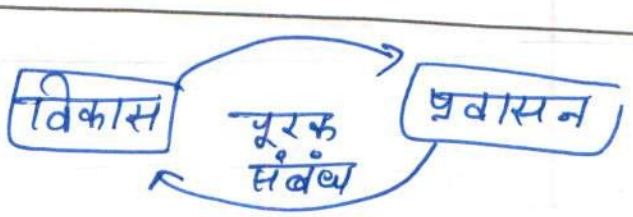

1) प्रवासन के कारण आर्थिक तथा सामाजिक विकास को बढ़ावा मिलता है।

जैसे - लोगों के जीवन स्तर में सुधार

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

२) रोजगार प्राप्ति से व्यक्ति तथा परिवार के जीवन स्तर में सुधार

३) इसी प्रकार विकास से व्यक्ति अच्छी जगह बस जाने को लेकर प्रेरित होता है जिससे प्रवासन को बढ़ावा मिलता है।

इस प्रकार प्रवासन तथा विकास के बीच पूरक तथा चक्रीय संबंध विद्यमान है। इसके लिए सरकार को प्रवासियों का डेटा इकट्ठा करने तथा राष्ट्रीय प्रवासी नीति को लागू करने की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. भारत में कार्यस्थल पर लैंगिक समावेशिता समाज में मौजूद सांस्कृतिक और लैंगिक पूर्वाग्रहों की एक श्रृंखला के कारण महिलाओं के विरुद्ध है। चर्चा कीजिए। इस समस्या के समाधान के लिए सामाजिक-कानूनी उपाय भी सुझाइए।

Workplace gender inclusivity in India is skewed against women due to a range of cultural and gender biases existent in the society. Discuss. Also suggest socio-legal measures to address this issue. (Answer in 250 words) 15

PLFS की रिपोर्ट के अनुसार- भारत में महिला श्रमबल भागीदारी दर मात्र 32.3% है जो पुरुष- LFPR 77.8% की तुलना में काफी कम है।

भारत में लैंगिक समावेशिता के महिलाओं के विरुद्ध होने के कारण -

सांस्कृतिक पूर्वाग्रह

1) समाज व संस्कृति में पितृसत्तात्मक नजरिये के कारण महिलाओं को पुरुषों की तुलना में कम करके आँकना।

2) महिलाओं को केवल चारदीवारी के कार्यों तक सीमित रखना तथा विशेष कार्यों के लिए ही अनुकूल मानना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3) जेण्डर स्टीरियोटाइपिंग की समस्या - बच्चों की देखभाल करना महिला की जिम्मेदारी

लैंगिक पूर्वाग्रह

1) ग्लास सीलिंग प्रभाव अर्थात महिलाओं को कुछ विशेष कार्यों तक ही सीमित रखना
जैसे - नार्सिंग, टीचर, डेस्क वर्क जॉब

2) भारत में किये गये एक सर्वेक्षण के अनुसार- भारत में 82% पुरुषों का मानना है कि बच्चों को संभालना माँ की ही प्राथमिक जिम्मेदारी है।

3) लगभग 60% पुरुष, अपनी महिलाओं को बाहर काम नहीं कराना चाहते।

समस्या के समाधान के लिए सामाजिक - कानूनी उपाय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सामाजिक उपाय -

1) लैंगिक संवेदनशीलता को सुनिश्चित करना
2) स्कूलों में लैंगिक संवेदनशील पाठ्यक्रम तथा सहशिक्षा (Co-Education) को आगे बढ़ाना
3) महिलाओं हेतु अवसरों में वृद्धि करना

कानूनी उपाय

① POSH Act, 2013 में जरूरी संशोधन व इसका मजबूती से क्रियान्वयन सुनिश्चित करना

② राष्ट्रीय महिला आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान करना चाहिए।

③ मातृत्व लाभ (संशोधन) Act में वैतनिक अवकाश की अवधि को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 24 सप्ताह कर दिया गया है।

ग्लोबल मैंकेजी की रिपोर्ट अनुसार- महिलाओं को समान अवसर देकर प्रतिवर्ष GDP में 1.04% की वृद्धि की जा सकती है तथा SDG-5 (Gender Equality) के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।